IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 6.252
Volume 2, Issue 1, February 2022

# कोविड-19 का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

**डॉ ब्रजेश श्रीवास्तव**

**असिस्टेंट प्रोफेसर – अर्थशास्त्र**

**राजकीय महाविद्यालय मानिकपुर चित्रकूट**

**शोध सारांश**

कोविड-19 महामारी के कारण बहुत कम समय में दुनिया भर में तबाही मच गई है, जिससे लोगों की ज़िंदगी और रोज़ी-रोटी पर बहुत बुरा असर पड़ा है। स्वास्थ्य संकट, वस्तुओं की वैश्विक मांग और पूर्ति में कमी के साथ यह एक आर्थिक संकट में बदल गया। वैश्विक स्वास्थ्य संकट का भारत के स्वास्थ्य स्तर और अर्थव्यवस्था पर भी बहुत बुरा असर पड़ा है। कोरोना वायरस को रोकने के लिए एक ज़रूरी नीति उत्तरदायित्व के तौर पर पूरे भारत में कड़े लॉकडाउन लगाए गए थे। नतीजतन, आर्थिक गतिविधियां लगभग रुक गई। क्योंकि काम की जगहें और विनिर्माण प्रक्रिया कुछ समय के लिए बंद हो गए थे, इसलिए वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन कम हो गया। आपूर्ति श्रृंखला बहुत ज़्यादा ख़राब हो गई। इससे कुल मांग में गिरावट आई। इस प्रकार की अव्यवस्था ने अर्थव्यवस्था में विदेशी और वित्तीय क्षेत्र पर भी विपरीत असर डाला हैं।

**मुख्य शब्द** : COVID-19, लॉकडाउन, मांग तथा आपूर्ति , व्यवसाय